

बिर पुर्खी

बुरु रे बुरु मदुकम,  
 रिकि - रिकि तन मदुकम,  
 बेडा रे बेडा सराजोम  
 गाला - गाला तन सराजोम।

रिकि - रिकि तन मदुकम,  
 दोगो दाई फोलड़ हलड़-उ,  
 गाला - गाला तन सराजोम  
 दोगो दाई फोलड़ तुम्हालड़।

दोगो दाई फोलड़ हलड़-उ,  
 रिंगा रेकु तिकि जोमेया,  
 दोगो दाई फोलड़ तुम्हालड़  
 अन्तल रेकु नैके - नवेया।

Question: → “बिर पुर्खी” कुरड़ रेखा सुनाएं और उसके बीचे।

Answer: → “बिर पुर्खी” कुरड़ ‘बेन्ना’ पुर्खी ते डायुक करा। ते  
 कुरड़ रेन कुरड़ हरिअ दी एको दुलाय चन्द गुण्डा रहि।  
 ने कुरड़ ‘बदुक’ रेकु (राम) रे ओलाकदा।  
 ने कुरड़ रे बदुको तना द्यि सीकोटो रिंगा छोड़ो;  
 बदुक रेकु रे बिर पुर्खी द्यि मदुकम वा, जो आदि;  
 सरपाय वो कोने अनु - अनुआः नाईलु अदुल फिराः।  
 कुरड़ रे कुरड़ हरिअ नाजि तना द्यि बुरु रे  
 मदुकम दाल मेनाः। एन दाल रे रिकि - रिकि एन मदुकम  
 वा बुरु। बेडा रेखा सराजोम दाई रे गाला - गाला एन सराजोम  
 जो निराकार।

Page No. 002

उत्तर ने कुर्कु दरिलह में पांच फुट ऊँचे मंडुकम  
रिलि - रिलि रन वा बिलिलिलि । एवा मेनहे दोलद.  
दौलद मंडुकमलद लालिलिलि । अलिलिलिलि  
मे गसा - गसा रन लिलिलिलिलि लरपोम जो, जो  
बिलिलिलिलि । दोलद दौलद लुगलुगलु अलिलिलिलि  
लुलु रे कुर्कु दरिल 'कुलाय' कालि रना लिल  
दोलद, दौलद दोलद मंडुकम लालिलिलिलि । लिंगा  
सोमय रेलु लिलि लिलि जोमा । दोलद दौलद  
लुगलु अलिलिलिलि जोमा ने गसा - गसा उभुओतन सरजो  
लुलु सोमय रेलु अलिलिलिलि लिलि लिलि जोमा ।

---